PARIVARTAN
परिवर्तन

TAKSHILA
तक्षशिला

चहकने की ललक

अंक – पच्चीस
दिसम्बर 2023 – मार्च 2024

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118

बाल संवाद

प्यारे दोस्तों,

मैं हूं चहकने की ललक। इस अंक 25 में बाल लेखकों ने मेरे लिए मेरे बारे में बहुत अच्छा लिखा है कि मुझसे मिलने के बाद इन बाल लेखको में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखको ने मुझे खुद से तैयार किया है। सर्वप्रथम 2014 में मुझे प्रकाशित किया गया था। जिसमें मेरे बाल लेखको ने अपनी रचना को प्रदर्शित किया था। इस दरमियां उन्हें बेहद खुशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचनाओं को लिखते रहे। आशा करती हूं कि आगे भी ऐसे ही अच्छा लिखे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार है, जहाँ बच्चें अपनी कला को दिखाने की कोशिश करते हैं।

नाव्या कुमारी
वर्ग-3,
गाँव - नारायणपुर

नया साल समारोह

मेरे विद्यालय में नया साल के दिन हमलोग पुरी, खीर और सब्जी बनाये थे और हमारे विद्यालय के शिक्षकों ने हमलोगो को बहुत सुंदर से खाना खिलाये थे और हमारे क्लास के बच्चे बहुत ज्यादा आये थे और उस दिन बहुत मस्ती किये और बहुत सुंदर-सुंदर से कपड़े पहन के आये थे और हमारे क्लास के शिक्षक ने हमलोग को बहुत बड़ाई किये। नया साल के दिन सुबह अपने माता-पिता के पैर छूकर प्रणाम किये।

अमीना खातुन, मध्य विद्यालय भवराजपुर, वर्ग-7

नाम-काजल
वर्ग-6, बन्थू सलोना

नाम-प्रज्ञा कुमारी, वर्ग-6, भवराजपुर

जाड़े का मौसम

जाड़े का मौसम में हम लोग आगी तापते हैं, और ऊनी कपड़ा पहनते हैं, और रजाई मे से नही निकलते हैं, और अपने शरीर को बचाकर रखते हैं जाड़े बहुत बेकार करता है, बच्चों को जाड़े के मौसम में संभाल कर रखते हैं और उन्हें ऊनी वस्त्र पहनाते हैं और उसका विशेष ख्याल रखते हैं, और अपना भी शरीर का ख्याल रखते हैं।

विक्की कु0 पासवान, वर्ग 9, भवराजपुर

नाम-अंशु
वर्ग-5, सिकिया

सर्कस (कविता)

देखो एक मदारी आया
साथ में बंदर बंदरिया लाया
डम-डम डमरु बजाए
अपना बंदर नचाए
बंदरिया लेकर गाए
बंदर उसको मनाए
दोनो ने एक रंग जमाया
बहुत सुंदर खेल दिखाया।

नाम कुंदन कुशवाहा, बंथू सलोना, वर्ग-9

चुटकुला

मास्टरजी ने बोला कि चिंटू बताओ कुतुबमीनार कहाँ है?
चिंटू बोला कि मुझे नही पता है।
मास्टरजी ने कहा बेंच पर खड़े हो जाओ। चिंटू बेंच पर खड़ा होकर बोला यहाँ से भी कुतुबमीनार नही दिख रहा है सर।

अभिषेक कु. महतो, वर्ग-7, भवराजपुर

नया साल समारोह

नया साल समारोह हमलोग बहुत अच्छे से मनाये थे। नया साल के समारोह में चावल-चिकेन बनाये थे। हम तीन लड़किया थी एक मेरी बुआ और बगल की दीदी और मैं। हम तीनों मेरे ही घर के आँगन में ही पिकनिक मना रहे थे तो हमलोगों को चिकेन धोने नही आता है तो हमलोग सोच मे पड़ गए थे कि चिकेन कौन धोएग? मेरी बुआ बोली भाभी से बोलो वो चिकन धोने में हमारी मदद कर दे। उनकी भाभी यानी कि मेरी माँ। उसके बाद हमलोग चिकेन-चावल बनाये फिर छत पर जाकर खाना खाने लगे। तब तक मेरी माँ बोली तनी-मुनी बाबू के द दसन फिर हम उसको चिकन-चावल दिये। मेरा बाबू स्म में चला गया जाकर खाने लगा। हम तीनो ही मिलकर बर्तन साफ किये। सारा काम हो गया तो हमलोग दुबारा खा लिये। उसके बाद हमलोग गाना बजाकर नाचने लगे। उस दिन मेरे विद्यालय में पढ़ाई थी। मेरे विद्यालय में खीर पुड़ी और सब्जी बना था। मेरी दोस्त बता रही थी कि खीर राम प्रसन्न सर बनाये थे।

अंशु कु0 गोड़, वर्ग-7, भवराजपुर

जाड़े का मौसम

जाड़े का मौसम में हमलोग अपने घर में कम्बल में लुका कर रहते है और जब हम जाड़े के दिन हम जब घर से निकलते है तो माँ और पापा डाँटते है कि आज का दिन बहुत खराब है तो जाकर कम्बल में लुका जाएगे। घर से बाहर निकले तो मार खाना पड़ता है और जाड़े का दिन बहुत अच्छा लगता है। कुछ लोग बाहर जाते है कुछ खेल के मैदान में जाते है। और फिर मौसम खराब हो जाता है तो घर में ही रहना पड़ता है। जब घर से बाहर निकलने का मन करता है तो पापा नही निकलने देते है। बहाना करने पर भी रोक लेते है और जाड़े के मौसम में हम घर के अंदर रहते है और T.V. देखते है और T.V. नही हो तो मोबाइल देखते हैं।

विजय कु0 यादव, वर्ग-7, भवराजपुर

नाम -खुशबू कुमारी,
वर्ग-5, गोठी

पायल शर्मा

नाम -पायल कुमारी,
वर्ग-6, बन्थू सलोना

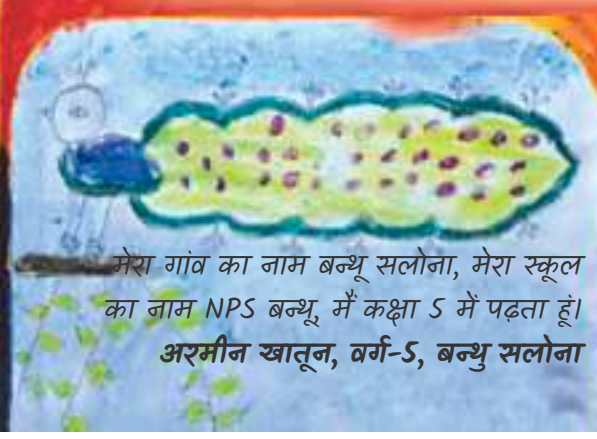

मेरा गांव का नाम बन्थू सलोना, मेरा स्कूल का नाम NPS बन्थू, मैं कक्षा 5 में पढ़ता हूं।

अरमीन खातून, वर्ग-5, बन्थु सलोना

कविता

बाहर बैठा बैजु बनिया
दिन भर तौलते जीरा धनिया
एक दिन आये मोटे लाला
बोले देदो मिर्च मसाला
बैजू ने तौला मिर्च मसाला
आच्छीं आच्छीं करते लाला

श्रेया कुमारी, बंथू सलोना, कक्षा 5

नामः अमीशा कुमारी,
वर्ग-7, गाँव-मियां भटकन

चुटकुला

एक बार एक सर पढ़ा रहे थे और उनका शिष्य सो रहा था तब सर बोले अंधेरी रात थी तारे टिमटिमा रहे थे कुत्ते भौंक रहे थे चोर आया दरवाजा तोड़ सोना लेके भाग गया। तब सर बोले शिष्य बताओ मैंने अभी क्या बताया। जब शिष्य बोला रात अंधेरी थी तारे भौंक रहे थे कुत्ते टिमटिमा रहे थे चोर आया सोना तोड़ा दरवाजा लेके भाग गया।

प्रीती कुमारी, वर्ग-7, भवराजपुर

कहानी (नया स्वेटर)

एक गाँव था जिसका नाम कंचनपुर था। उस गाँव में एक छोट-सा परिवार रहता था। उस परिवार में एक लड़की रहती थी। उसका नाम ललिता था और उसके माँ का नाम मीरा था। उसके पिता का नाम रमेश था और उसके भाई का नाम गोपाल था। ललिता के माता-पिता भुट्टे का व्यापार करते थे। और जब जाड़े का मौसम आ गया और ललिता के पास नये स्वेटर नही थे। वह अपने माँ से जिद करती थी। एक दिन ललिता अपने माँ के साथ बाजार गई। माँ ने बाजार में ललिता को नया स्वेटर दिलाया तो ललिता बहुत खुश हुई और बाजार से वह दोनो आए और दरवाजे पर उसके पिताजी खड़े थे और उस दिन बहुत डाँट पड़ी और वह दोनो जाकर कमरे में सो गए।

शिवानी कुमारी, वर्ग-5, गोठी

नामः गंगोत्री कुमारी,
वर्ग-5, मिया भटकन

प्रिय खेल कबड्डी

मेरा प्रिय खेल कबड्डी है। मैं कबड्डी अपने दोस्तों के साथ खेलती हूँ। मैं कबड्डी । वर्षा से खेल रही हूं मैं परिवर्तन से जुड़कर के कबड्डी खेलने के लिए मिला। मैं कबड्डी खेलने के लिए मियाँ के भटकन, जीरादेई बडहूलिया, आंदर और अपने स्कूल में खेलने के लिए जाती हूं। मेरे घर के लोग मुझे कबड्डी खेलने के लिए मना नही करते है। मैं अपने स्कूल मे खेलकर के मेडल प्राप्त की हूं। भवराजपुर से मैं कबडडी खेलती हूं और मुझे बहुत अच्छा लगता है। एकबार भवराजपुर और बडहूलिया के बीच मैच हुआ था तो बडहूलिया हार गया था। मुझे कबड्डी खेलना बहुत ज्यादा पसंद है। मैं भारत के लिए खेलना चाहती हूं।

नाम निशा यादव, वर्ग-7, भवराजपुर

जाड़े का मौसम

जाड़े का मौसम हमको अच्छा लगता है। जाड़े का मौसम में हमे बाहर नही निकलना चाहिए और हमें बाहर कोई जरूरी काम पड़े तब निकलना चाहिए। जुता, मोजा दास्ताना, टोपी और स्वेटर पहनकर निकलना चाहिए और जाड़े के मौसम में गर्म खाना खाना चाहिए, रजाई में सुतना चाहिए नही तो खाँसी, बुखार हो जाएगा, ठंडी में हमलोग आगी तापते है।

नाम-अनुज कु. राम
वर्ग-5, धर्मपुर

पहेलियां

1 ललकी गईया बड़ी मरखईया
दुधवा ओकर बड़ी मिठईया
2 काजर के कजरवटी बेटी
इनर के टहकार
बैठल बाड़ी पुतली
देख तारी संसार
3 एक जगह पर रहती हूं
चीजें बहुत सी देखती हूं
पैसे देदो चीजे लेलो
कौन हूं मैं यह तो बोलो
4 सुबह को मैं आती हूं
शाम को चली जाती हूं
मिल सको तो मिल लो
नही तो मिलेंगे सात दिन बाद

उत्तरः मथ, जामुन, दुकान, साप्ताहिक बाजार

अन्नू कु0 यादव, वर्ग-7, भवराजपुर

नामः कृति कुमारी,
वर्ग-7, गाँव-भवराजपुर

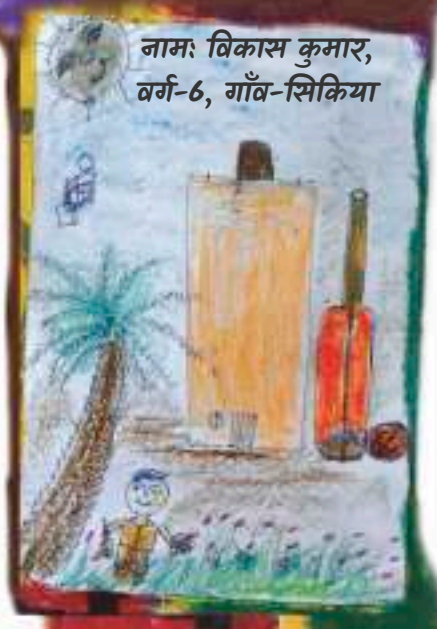

नामः विकास कुमार,
वर्ग-6, गाँव-सिकिया

सर्कस

आज से तीन साल पहले सर्कस देखने गऐ थे। सर्कस देखने में बहुत अच्छा लग रहा था। सर्कस में हम बहुत सारे जानवर को करतब दिखाते हुए देखे। जैसे शेर को हाथी को और खरगोश भी करतब दिखा रहा था। सर्कस में बहुत सारे लोग देखने आ रहे थे और उसमें से हमारा एक भाई भी था जो शेर और हाथी को देखकर डर रहा था। बेंगलोर में एक सर्कस उसी में गए थे। सर्कस जब खतम हुआ तब सारे लोग पैसा देने गए, शेर और हाथी एवं खरगोश को खाना देने लगे और सारे लोग सर्कस देखकर सर्कस से बाहर निकल गये घर चले गये।

मनीष कुमार शर्मा, भवराजपुर

नाम-जोया
वर्ग-7,
धर्मपुर

मेरा प्रिय खेल क्रिकेट

हमको क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। क्रिकेट खेलने जाता हूँ तो मेरे घर के लोग बहुत बोलते है कि तुम बेटा क्रिकेट मत खेलो तो अपने घर की बात नही सुनता हूँ और अपने दोस्तों का बात सुनता हूँ और एकबार मेरे दोस्त ने कहा कि भाई लोग कल तो बहुत भारी क्रिकेट है तो मैं अपने घर पापा से बोला कि कल मेरा बहुत भारी क्रिकेट मैच है तो मेरे पापा नही माने मना कर दिये। मैं उस दिन रात को खाना नही खाया, पापा बोले खाना खालो मैं तुमको अपने बाईक से लेकर चलूँगा। मैं उस दिन बहुत खुश था। पापा मैच में लेकर गए और मैं इतना छका मारा की हमलोग मैच जीत गए उस दिन पापा बहुत खुश थे। उस दिन से मेरे पापा मान गए और तब से नही बोलते हैं।

मनीष कु0 यादव, भवराजपुर, वर्ग-7

नाम-प्रियंका सोनी
वर्ग-7, भवराजपुर

पहेलियाँ

1. ऐसा क्या है जिसे बिना छुए ही तोड़ा जा सकता है।
2. आधा सोना आधा चाँदी एक गिलास पानी।
3. गोले-गोले चक्की पर बड़े-बड़े रस जे बुझावन बुझली उनका के देम रुपईया दस।

खामोशी, अण्डा, जलेबी

**प्रियंका कु0 यादव,
वर्ग-7, भवराजपुर**

चुटकुला

टीचर : संजू कोई ऐसा कोई वाक्य सुनाआ जिसमें हिंदी, उर्दू, पंजाबी और अंग्रेजी का प्रयोग हो।
संजू : इश्क दि गली विच No Entry

सोनाली कुमारी, गोठी, वर्ग-3

नामः खुशी कुमारी,
वर्ग-8, गाँव-नारायणपुर

मेरे प्रिय खेल क्रिकेट

मैं क्रिकेट खेलता हूँ, गेंद को फेकता हूँ मैं क्रिकेट अच्छा खेलता हूँ, गेंद अच्छा फेकता हूँ, मैं अच्छा खेलता हूँ, खेलने में बहुत अच्छा लगता है, गेंद फेकने में अच्छा लगता है, मैं घर जाता हूँ तो मेरे घरवाले मुझे बोलते हैं, आज क्रिकेट खेलने जाना है, मेरे घरवाले जब बोलते हैं तभी मैं खेलता हूँ, खेलने में चोट लगता है तो दवा भी लगाते है।

**नाम संकेत कु0 यादव,
मदेशिलापुर**

ताहसैन घर बन्थु सलोना

आगामी थीम

परीक्षा, मेला
हमारा बगीचा
गली का कुत्ता

कहानी

रामपुर गाँव में एक मोहन नाम का एक व्यक्ति रहता था। मोहन बहुत गरीब था। मोहन और उसकी पत्नी उसका एक बेटा था, मोहन खेती करता था। अचानक एक दिन मोहन की तबीयत खराब हो गई। उसके घर ज्यादा पैसे नही थे कि वो अपने पति का इलाज करा सके तो इतने में एक साधु आया। वो रमा से बोला बेटी क्या तुम्हारे पास कुछ खाने के लिए है? तो रमा बोली हाँ मेरे घर में तो सिर्फ चावल ही है तो साधु बोला ठीक है वही दे दो। रमा साधु को चावल दे दी। साधु चावल खाकर बहुत प्रसन्न हुआ और बोला ये लो बेटी ये एक जादुई आईसक्रीम है। तुम इसे सिर्फ ईमानदारी से कुछ मांगना तो ही देगा, नही तो ये तुम्हे कुछ नही देगा। अगले दिन रमा जादुई आइसक्रीम से ढ़ेर सारा अनाज मांगकर बाजार में बेचने लगी, और तब से ही रमा और उसके पति मोहन ने खुब कमाई की, और गरीबों में भी बांटा, और वो अपनी जिंदगी हँसी-खुशी बिताने लगे। इसी से हमारी कहानी खत्म।

अदिति कुमारी, गोठी, वर्ग-5